



सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्रांक कु.सं. 5975 /2025

दिनांक 21.01.2026

कार्यालय-ज्ञाप

भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा दिनांक 16 जनवरी से 22 जनवरी 2026 पर्यन्त सप्तदिवसीय (ऑनलाइन/ऑफलाइन) “छन्दोविच्छित्ति-कार्यशाला” का आयोजन हो रहा है। उक्त कार्यशाला के संयोजक एवं सह-संयोजक अधोलिखित महानुभाव होंगे-

- | | |
|--|-------------|
| 1. डॉ. ज्ञानेन्द्र सापकोटा (सहायक आचार्य, व्याकरण विभाग) | - संयोजक |
| 2. डॉ. विजय कुमार शर्मा (सहायक आचार्य, वेद विभाग) | - सह संयोजक |
| 3. डॉ. दुर्गेश पाठक (सहायक आचार्य, न्याय वैशेषिक विभाग) | - सह संयोजक |

एतत् सम्बद्ध समस्त व्यय IKS के संगोष्ठी मद से किया जायेगा।

इस पर आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त है।

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdndae224nCpKPZGUq2g4P45_gmPVIzRcQ4m4cBdCWk_WZmg/viewform?usp=header

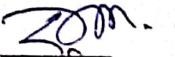
पंजीकरण हेतु QR




कुलसचिव 21.01.26
सं.सं.वि.वि. वाराणसी

प्रतिलिपि- सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव, कुलपति को कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष।
3. उपरोक्त समस्त महानुभाव।
4. पुस्तकालयाध्यक्ष।
5. निदेशक, अनुसंधान संस्थान।
6. समन्वयक, आई. क्यू.ए.सी.।
7. सिस्टम एनालिस्ट को इस आशय से कि विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर प्रदर्शित कराने हेतु।
8. समस्त सहायक कुलसचिव।
9. अधीक्षक, प्रशासन/लेखा।
10. आशुलिपिक कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
11. समस्त विभागानुभाग।
12. सम्बद्ध पत्रावली।


कुलसचिव
सं.सं.वि.वि. वाराणसी



छन्दोविच्छित्ति कार्यशाला



(पंजीकरण / Registration Form)

आयोजिका संस्था - सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय
कार्यशाला अवधि - 16 जनवरी से 22 जनवरी 2026
विषय - छन्दोविच्छित्ति कार्यशाला
स्थान - वाराणसी

1. प्रतिभागी का विवरण

1. पूरा नाम (हिन्दी में) :

2. पूरा नाम (अंग्रेज़ी में) :

3. पिता/पति का नाम :

4. जन्मतिथि :

5. लिंग :

☐ अन्य ☐ महिला ☐ पुरुष

2. शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विवरण

6. शैक्षणिक योग्यता :

7. विषय / विशेषज्ञता :

8. पदनाम :

9. संस्था / विद्यालय / महाविद्यालय :

10. पूरा पता :

11. संपर्क विवरण

12. मोबाइल नम्बर :

13. ई-मेल आईडी :

4. कार्यशाला से सम्बन्धित जानकारी

13. संस्कृत अध्ययन का अनुभव (वर्षों में) :

14. छन्दशास्त्र / छन्दोविच्छित्ति का पूर्व ज्ञान :

☐ नहीं ☐ हाँ

15. कार्यशाला में भाग लेने का उद्देश्य :

5. घोषणा (Declaration)

मैं यह घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त दी गई समस्त जानकारी सत्य एवं सही है।
मैं कार्यशाला के सभी नियमों एवं निर्देशों का पालन करूँगा/करूँगी।

स्थान : _____

दिनांक : _____

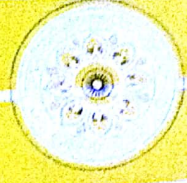
प्रतिभागी के हस्ताक्षर :

(कार्यालय उपयोग हेतु)

- पंजीकरण संख्या : _____
- शुल्क प्राप्त : ☐ हाँ ☐ नहीं
- रसीद संख्या : _____
- हस्ताक्षर (संयोजक) : _____



भारतीयज्ञानपरम्पराकेन्द्रम्



सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः

(छन्दोविच्छिन्ति-कार्यशाला)

सर्वेषां विदुषां संस्कृताचार्याणां, काल्यणारखाध्येतॄणां, शोधार्थिनां, छात्राणां च एवम् विज्ञाप्यते यत् भारतीयज्ञानपरम्पराकेन्द्रम्, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्योपक्रमेण छन्दोविच्छिन्ति-विषयकतयाः सप्तदिवसीयायां विशेष-कार्यशालायाः समायोजनं निश्चितम् अस्ति।

कार्यशालायां विवरणम्—

- विषयः : छन्दोविच्छिन्ति (लेखनं, प्रमाणं, व्यवहारोपेता)
- कालावधिः : दिनाङ्कः 16 जनवरी 2026 आरभ्य 22 जनवरी 2026 पर्यन्तम्
- स्थानम् : भारतीयज्ञानपरम्पराकेन्द्रम्, विज्ञानभवनम्, द्वितीयतलः, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः
- आयोजक-संस्था : सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः
- अधिकारिणः : संस्कृताध्यापकाः शोधार्थिनश्च
- पञ्जीकरण-दिनाङ्कः : 16 जनवरी 2026
- पञ्जीकरण-प्रक्रिया : पञ्जीकरणस्य सर्वा अपि प्रक्रियाः कार्यक्रमस्थले सम्पत्स्यते।
- पञ्जीकरण-शुल्कम् : 1000/- एकसहस्ररुप्यकाणि मात्रम्

अस्यां कार्यशालायां छन्दसां स्वरूप-निर्णयः, गुरु-लघु-विवेकः, यति-गति-निरूपणं, छन्दोविच्छिन्ति-शास्त्रीय-पद्धतिः, सभावनिवेशः तदनु व्यवहारिकं प्रशिक्षणं च साम्यक् रूपेण उपदिश्यन्ते। अतः इच्छुवैः प्रतिभागिभिः समये स्वपञ्जीकरणं कृत्वा अस्य शास्त्रीयोपक्रमस्य लाभाय यत्नो विधीयताम्।

कार्यशाला-सामन्वयकः

छन्दोविच्छिन्ति-कार्यशाला

डॉ. ज्ञानेन्द्र-सापकोटा

प्रधानगवेषकः भारतीयज्ञानपरम्पराकेन्द्रम्,

सं.स.वि.वि., वाराणसी



भारतीयज्ञानपरम्पराकेन्द्रम्,
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः
(छन्दोविच्छित्ति-कार्यशाला)



आमन्त्रण-पत्रम्

आदरणीय महोदय / महोदये,

सेवायाम्.....

सादरं प्रणम्य निवेद्यते यद् भारतीयज्ञानपरम्पराकेन्द्रम्, विज्ञानभवनम्, द्वितीयतलः, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्योपक्रमेण छन्दोविच्छित्ति-विषये 16 दिनाङ्कादारभ्य 22 जनवरी 2026 पर्यन्तम् समदिवसीया कार्यशाला समायोज्यते। संस्कृत-काव्यशास्त्रस्य हृदयभूता छन्दोविच्छित्तिः न केवलं काव्यग्रन्थानां सम्यगवबोधाय, अपितु शास्त्रीय-रसानुभवस्य परिपाकाय अत्यावश्यकी विद्या वर्तते। तस्याः विषयस्य सैद्धान्तिक-व्यवहारिक-समन्वितं प्रशिक्षणं अस्याः कार्यशालायाः प्रमुखं लक्ष्यं निश्चितम् अस्ति।

अतः भवतः/भवतीः प्रति सविनयं प्रार्थ्यते यत्स्वीयया विद्वद्गिरिमामय्या उपस्थित्या अस्य आयोजनस्य शास्त्रीयप्रभां संवर्धाय अभिमुखीभवन्तु।

भवदीयः

कार्यशाला-समन्वयकः

छन्दोविच्छित्ति-कार्यशाला

डॉ. ज्ञानेन्द्र-सापकोटा

प्रधानगवेषकः भारतीयज्ञानपरम्पराकेन्द्रम्,

सं.सं.वि.वि., वाराणसी



भरतीयज्ञानपरम्पराकेन्द्रम्



सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

छन्दोविच्छिन्नि-कार्यशाला

दिनाङ्कः- 16 – 22 जनवरी 2026

स्थानम्- भारतीयज्ञानपरम्पराकेन्द्रम्, विज्ञान-भवनम्, द्वितीयतलः